

॥६॥७

पत्रावली आज लालच कारती पर आज  
पैसा हुई। कपील वारी उर। वाकपत्र  
जरिसे राजीनामा पिईल अकारिज ही पुनः  
है। अथ अरिज पत्र कीडे अरिज नही  
रहे जाता है। अलः अरिज पत्र को  
अकारिज किया जाता है। पत्रावली अरिज  
शुभाकर होकर नकषर से कस की जाकर  
यात्रिण दफ्तार है।



**प्रमुख नरेश्वर, गोविन्द**

